उपयोगकर्ता दिग्दर्शिका

संरचना हिंदी (यूनीकोड) टाइपिंग टूल

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल

पृष्ठभूमि (Background)

निसन्देह रूप से अपनी नैसर्गिक भाषा में किये जाने वाला संवाद एवं सूचनाओं का प्रचार–प्रसार सर्वाधिक प्रभावशाली होता है। उत्तर भारत के जनसामान्य के मध्य हिंदी सर्वाधिक बोली व समझी जाने वाली भाषा है अतः इस विचार के दृष्टिगत ई–गवर्नेन्स के अन्तर्गत कम्प्यूटरीकरण के कार्यो को हिंदी भाषा में ही किया जाना जनसामान्य के दृष्टिकोण से सर्वाधिक उपयोगी है। इण्टरनेट एवं वेबसाइट्स पर हिंदी भाषा को लिखना एवं उपयुक्तता से प्रदर्शित किये जाने हेतु वर्तमान में *यूनीकोड* नवीनतम तकनीक है। *यूनीकोड* तकनीक में विश्व की लगभग तीन दर्जन भाषा लिपियों के अक्षर संयोजित किये गये है तथा इस बात के भी प्रयास किये जा रहे है कि यूनीकोड पद्धति से एक भाषा में लिखे जाने वाले वाक्यों को यूनीकोड में उपलब्ध अन्य सभी भाषाओं में मशीनी रूप से अनुवादित किया जा सके। संरचना यूनीकोड हिंदी टाइपिंग टूल के माध्यम से ई–मेल एवं वेबसाइट्स आदि पर हिंदी भाषा में लिखा जा सकता है। अतीत में शनैः शनैः हमारे दिलो–दिमाग को इस प्रकार प्रदूषित किया गया है कि हमें अपनी हिंदी भाषा उपयोग करने में हीनता का अहसास होता है जबकि हिंदी भाषा सर्वाधिक पुष्ट एवं वैज्ञानिक भाषा है। कम्प्यूटर, वेबसाइट्स आदि पर विदेशी भाषा के बिना हमारा काम ही न चलें यह स्थिति अत्यन्त बेबसी, लाचारी के साथ–साथ गुलाम मानसिकता की भी है। अगर हम विश्व स्तर पर देखें तो चीन और जापान जैसे पूर्ण आत्मनिर्भर देशो ने अपनी भाषा से कोई समझौता नहीं किया है और इसके परिणामस्वरूप उनके कम्प्यूटर्स में चाइनीज और जापानी लिपियो के कीबोर्ड उपलब्ध होते है जबकि विश्व का प्रमुख गौरवशाली देश होने के बावजूद अभी तक अपनी भाषा–लिपियों के कम्प्यूटर की–बोर्ड की व्यवस्था भी न कर पाना राष्ट्रीय स्तर पर चिंताजनक रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है। इस स्थिति में भारतीय भाषाओं के गौरव को भारत में तिरोहित न होने के लिए आप हमारे सहयोगी बने है इसकी हमें अत्यन्त प्रसन्नता है।

ऑपरेटिंग सिस्टम Windows-XP हेतु आवश्यक बिन्दु

विण्डोज–एक्सपी ऑपरेटिंग सिस्टम पुराना होने के कारण संरचना टाइपिंग टूल के साथ माइक्रोसॉफ्ट डॉटनेट फ्रेमवर्क को भी स्थापित करने की आवश्यकता होती है। अतः यदि आपको संरचना टाइपिंग टूल का प्रयोग विण्डोज–एक्सपी ऑपरेटिंग सिस्टम पर करना है तो आपको डॉटनेट फ्रेमवर्क डाउनलोड कर पहले स्थापित करना होगा। डॉटनेट फ्रेमवर्क स्थापित कर लेने के उपरान्त आपको कन्ट्रोल–पैनल में उपलब्ध रीजनल–सेटिंग्स के अन्दर लैंग्वेज–सेटिंग्स भी करनी होगी। लैंग्वेज सेटिंग्स करने की प्रक्रिया में आपको विण्डोज–एक्सपी की इन्स्टालर सी0डी0 की आवश्यकता पड़ेगी अतः आप इसे पूर्व से प्रबन्धित कर लें।

- विण्डोज–एक्सपी ऑपरेटिंग सिस्टम हेतु आपको डॉटनेट फ्रेमवर्क भी डाउनलोड करना जिसका साइज 26.5 एम0बी0 है अतः इसे सफलतापूर्वक डाउनलोड करने के लिए आपके पास अच्छी गति का इण्टरनेट कनेक्शन (256 के0बी0पी0एस0 या अधिक) होना चाहिए अन्यथा बार–बार इण्टरनेट डिस्कनेक्ट होने के कारण आपको नाहक असुविधा एवं झुंझलाहट होगी। बेहतर होगा कि आप अपने कम्प्यूटर में एक डाउनलोड–मैनेजर सॉफ्टवेयर इन्स्टाल करने के बाद संरचना टाइपिंग टूल को डाउनलोड करें। डाउनलोड–मैनेजर सॉफ्टवेयर पूर्व से स्थापित रहने से डाउनलोडिंग की गति तेज होगी तथा इण्टरनेट का लिंक टूट जाने पर भी आपका डाउनलोडिंग कार्य उसी बिन्दु से आगे प्रगति कर सकेगा जहॉ से इण्टरनेट लिंक टूटा हो। डाउनलोड–मैनेजर निम्न लिंक पर जा कर निःशुल्क डाउनलोड कर सकते है।

  http://download.cnet.com/Internet-Download-Manager/3000-2071_4-10071618.html?tag=dropDownForm;productListing;pop

- डाउनलोड करते समय भली–भांति सुनिश्चित कर ले कि डाउनलोड होने वाली फाइल आपके कम्प्यूटर के किस ड्राइव और फोल्डर में सेव हो रही है अन्यथा आप अनावश्यक रूप से डाउनलोड होने वाली फाइल की तलाश में समय एवं श्रम लगायेगें और नाहक असुविधा होगी।

- डाउनलोड होने वाली फाइल WinRar/WinZip फॉरमेट में होती है। इस विशेष फॉरमेट फाइल के डाउनलोड होने का प्रयोजन यह है कि इण्टरनेट पर बड़े साइज के डाटा का संकुचन (Compression) हो सके तथा इण्टरनेट पर इधर से उधर स्थानान्तरित होने में अधिक समय ना लगे। इस फाइल को विशेष सॉफ्टवेयर (WinZip/WinRar) द्वारा आपको पुनः अपने कम्प्यूटर के हार्डड्राइव पर मूल स्वरूप में (एक्सट्रैक्ट) करना होता है। यदि आपके कम्प्यूटर में WinZip/WinRar सॉफट्वेयर पूर्व से स्थापित न हो तो यह निम्न लिंक द्वारा निशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है।

http://www.winzip.com/downwz.htm

- विण्डोज–एक्सपी पर संरचना टाइपिंग टूल स्थापित (Install) करने के लिए आपको कन्ट्रोल पैनल में कुछ आवश्यक सेटिंग्स करनी पड़ती है तथा इन सेटिंग्स को प्रभावकारी करने के लिए आपके पास विण्डोज–एक्सपी की इंस्टालर सी0डी0 अनिवार्य रूप से स्थापना प्रक्रिया (Installation) के वक्त उपलब्ध रहनी चाहिए।

- संरचना टाइपिंग टूल आपको इण्टरनेट ब्राउजर्स जैसे कि इण्टरनेट एक्सप्लोरर, मोजिला, गूगल–क्रोम तथा ई–मेल क्लांइट्स आदि पर रेमिंग्टन (टाइपराइटर) की–बोर्ड ले–आउट की तरह टंकण करने की सुविधा प्रदान करता है। बेहतर होगा कि आप बाजार से 15–20 बीस रूपयों में मिलने वाले कीबोर्ड हिंदी स्टीकर्स को अपने कम्प्यूटर के कीबोर्ड पर चस्पा कर लें। यदि आप रेमिंग्टन प्रणाली से टंकण में अभ्यस्त है तो आपको कोई परेशानी होगी ही नहीं।

विण्डोज–एक्सपी हेतु रीजनल सेटिंग्स की प्रक्रिया

1- संरचना हिन्दी टाईपिंग टूल को इन्सटॉल करने के लिये सर्वप्रथम अवलोकन करें कि क्या आपके सिस्टम में सेरचना हिन्दी टाईपिंग टूल को संस्थापित करने के लिये सेटिंग्स उपयुक्त हैं। अवलोकन करने के लिये निम्न बिन्दुओं का अनुसरण करें–

- स्क्रीन में नीचे की तरफ आ रहे

मेन्यू पर क्लिक कर

खोलें।

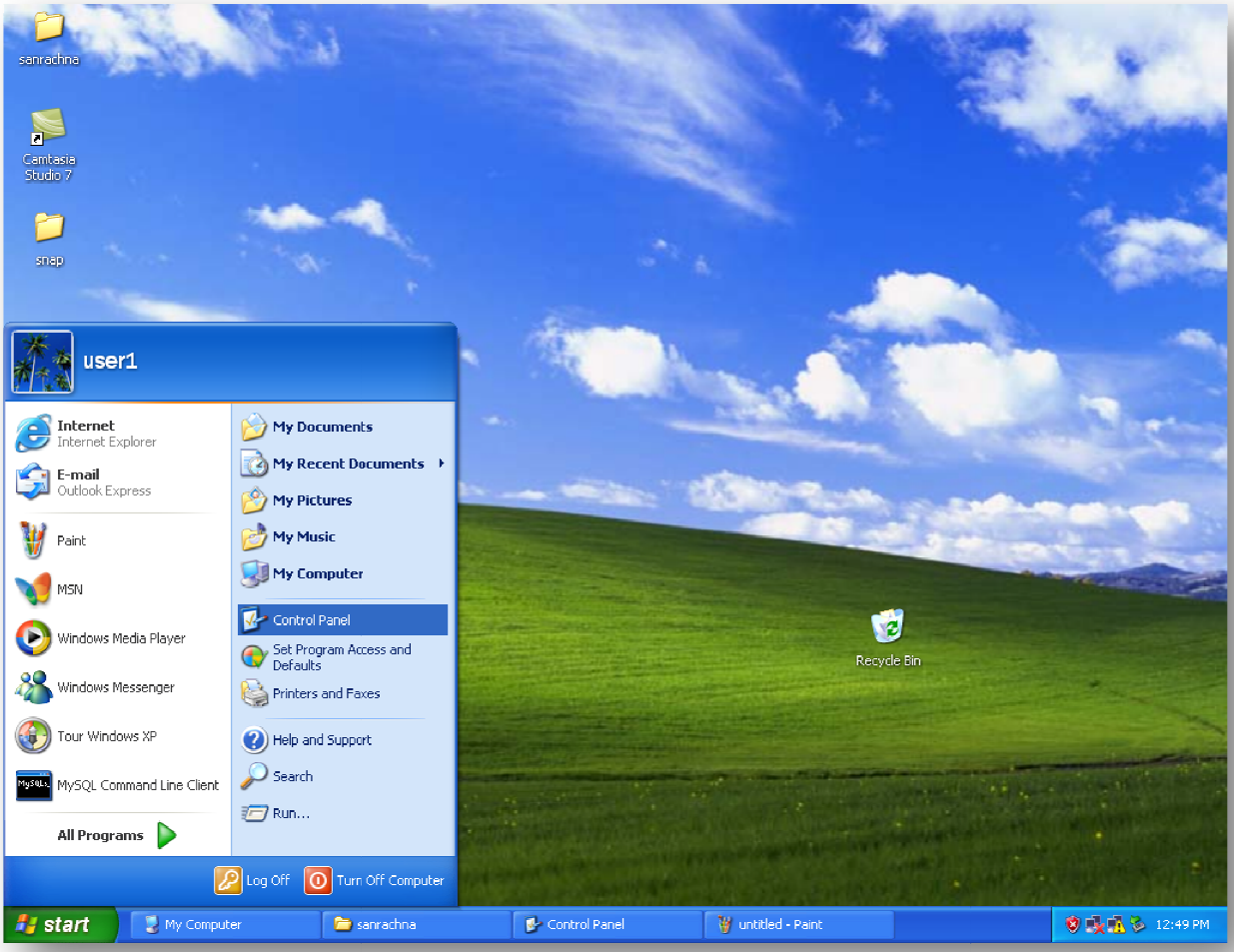

- अब

पर क्लिक कर उसे खोलें।

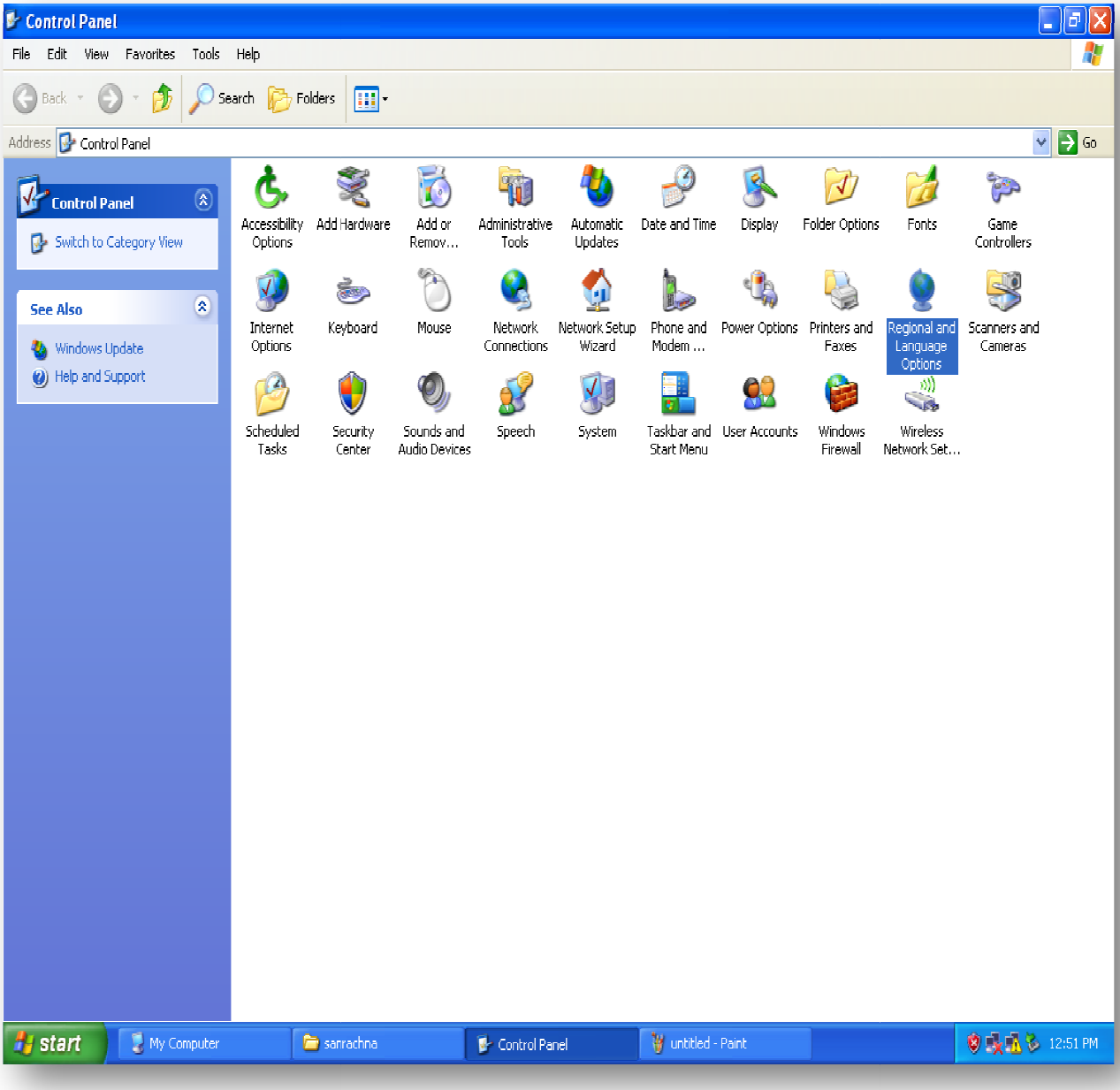

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल

- Regional and Language Option विन्डो में Language टैब पर क्लिक करें। क्लिक करने के पश्चात् अवलोकन करें कि क्या निम्न विन्डों में प्रदर्शित बाक्स चेक हैं। यदि नहीं तो अगले बिन्दु पर जायें अन्यथा बिन्दु संख्या 3 पर जायें।

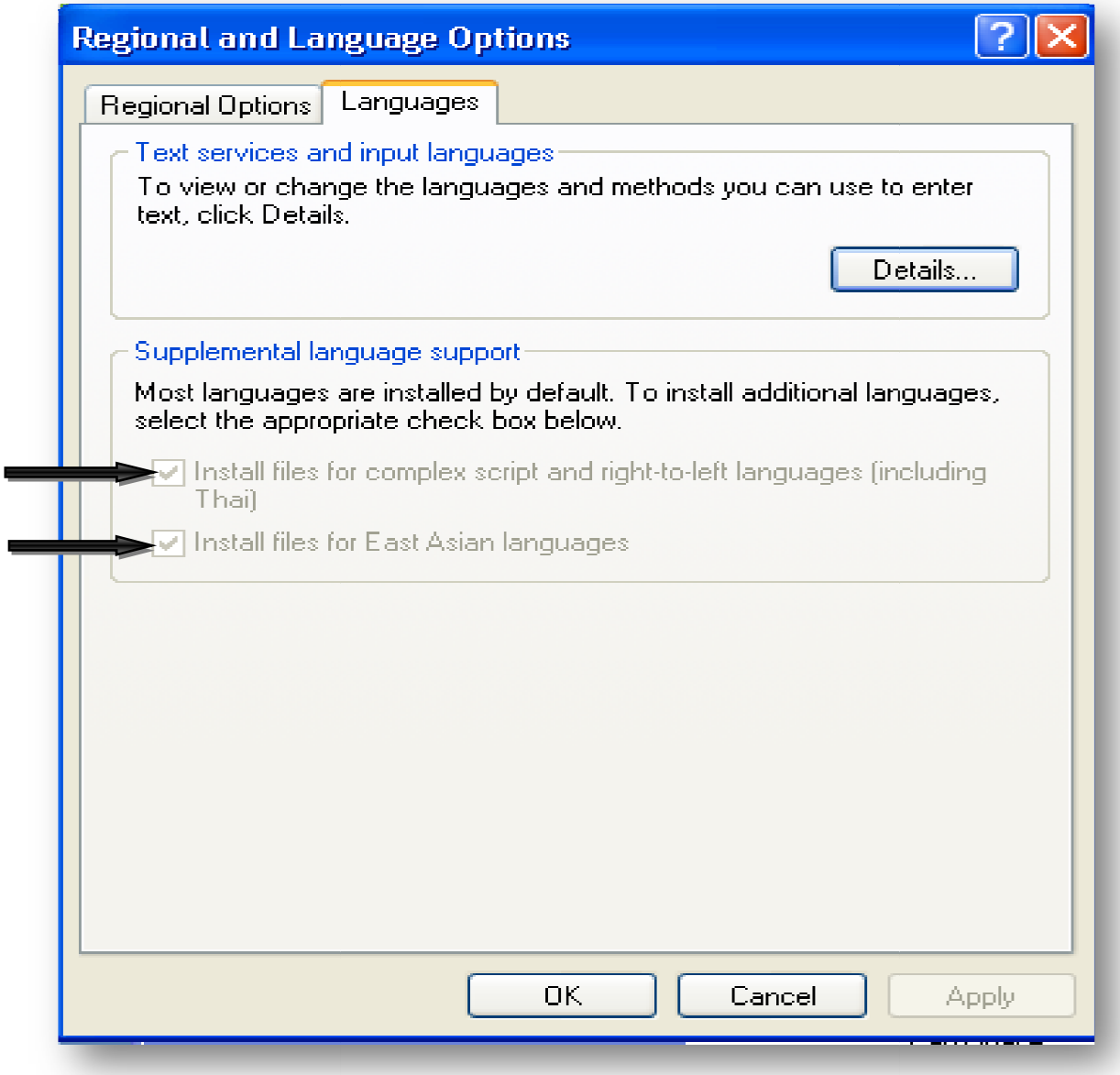

2- Regional and Language Settings को निम्नवत इंस्टॉल करें

- विन्डोज XP इंस्टॉल करने वाली CD को CD-Drive में डालें।
- इंस्टॉलर द्वारा खोली गई निम्न विन्डो को बन्द कर दें।

- स्क्रीन में नीचे की तरफ आ रहे

मेन्यू पर क्लिक कर

खोलें।

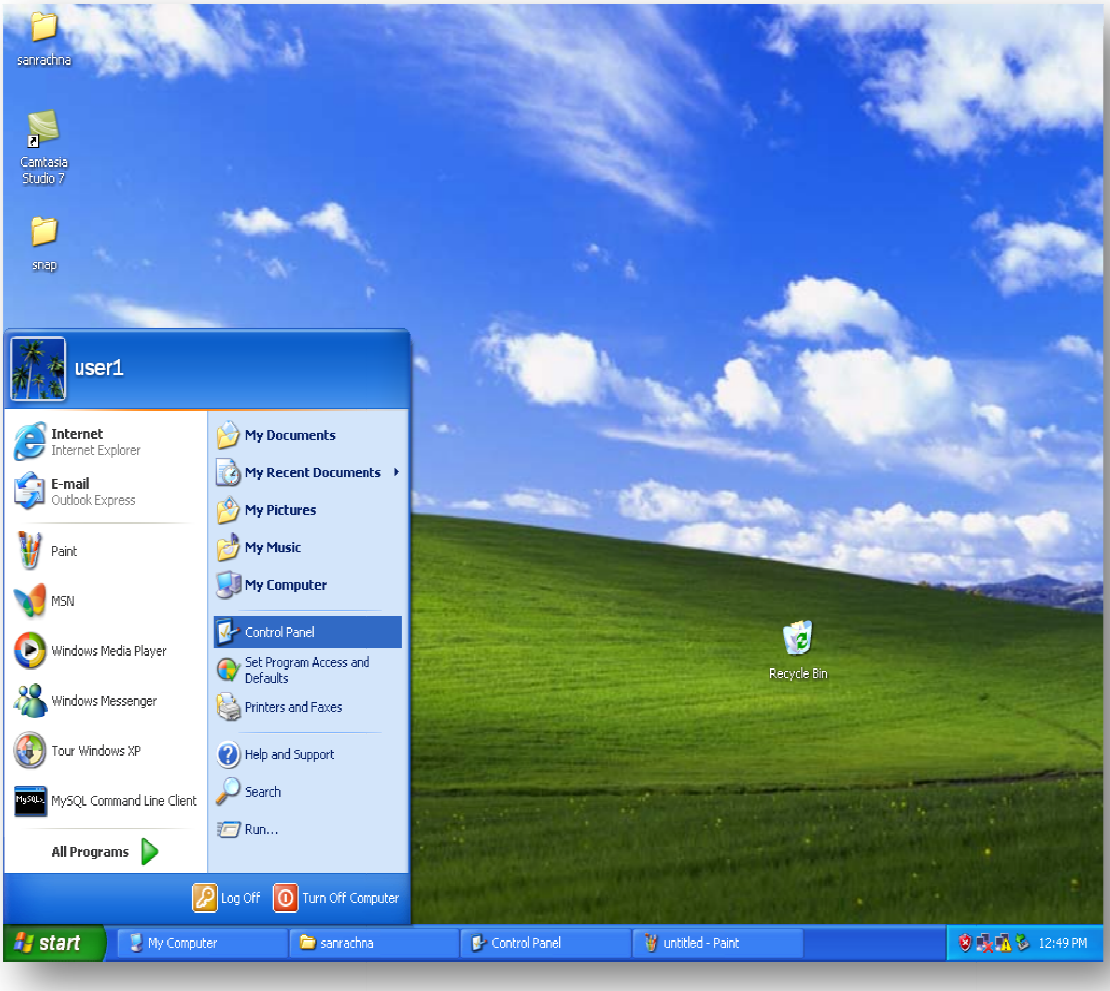

- अब

पर क्लिक कर उसे खोलें।

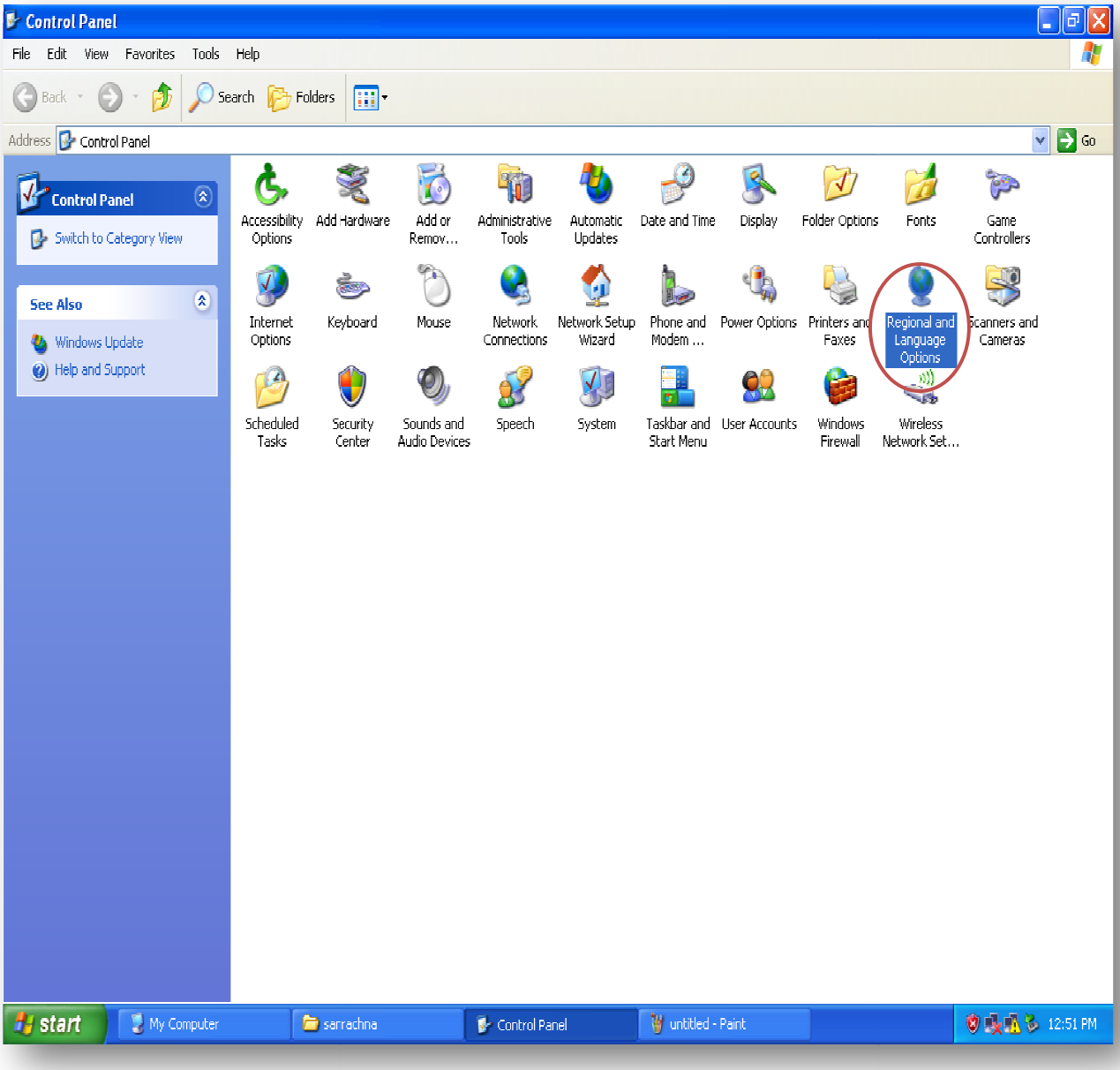

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल

- Regional and Language Options विन्डो में Languages टैब पर क्लिक करें।

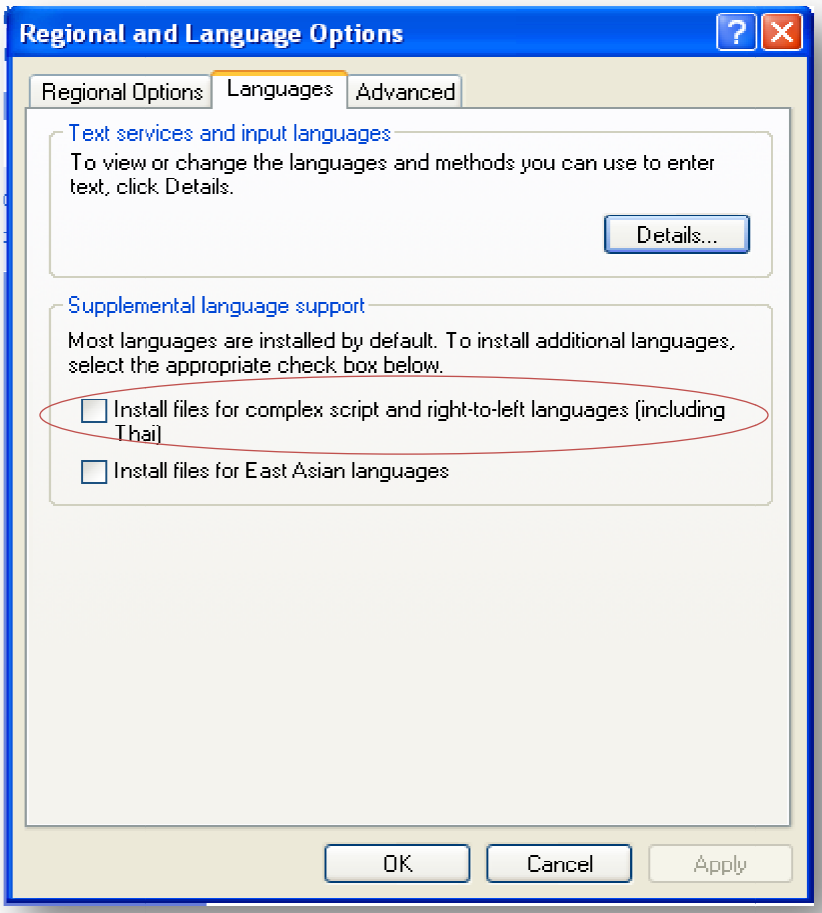

- अब 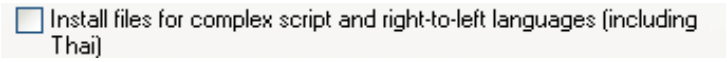

को चेक करें।
इसे चेक करते ही एक अन्य संदेष स्क्रीन पर आता है।

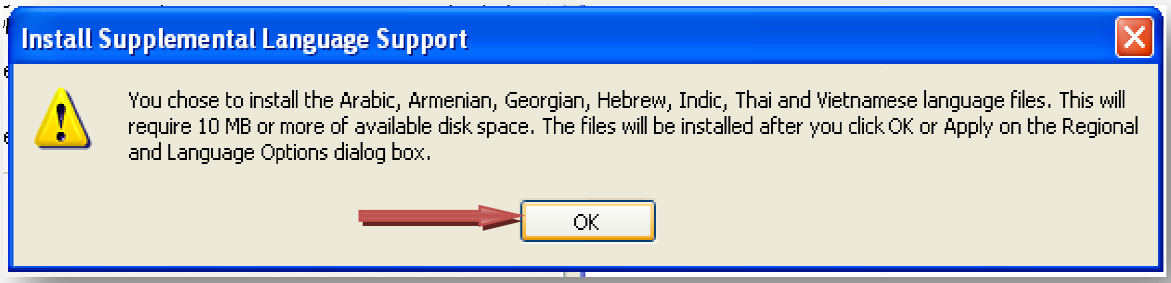

- इसमें OK बटन को क्लिक करें। तत्पश्चात् Apply बटन पर क्लिक करें।

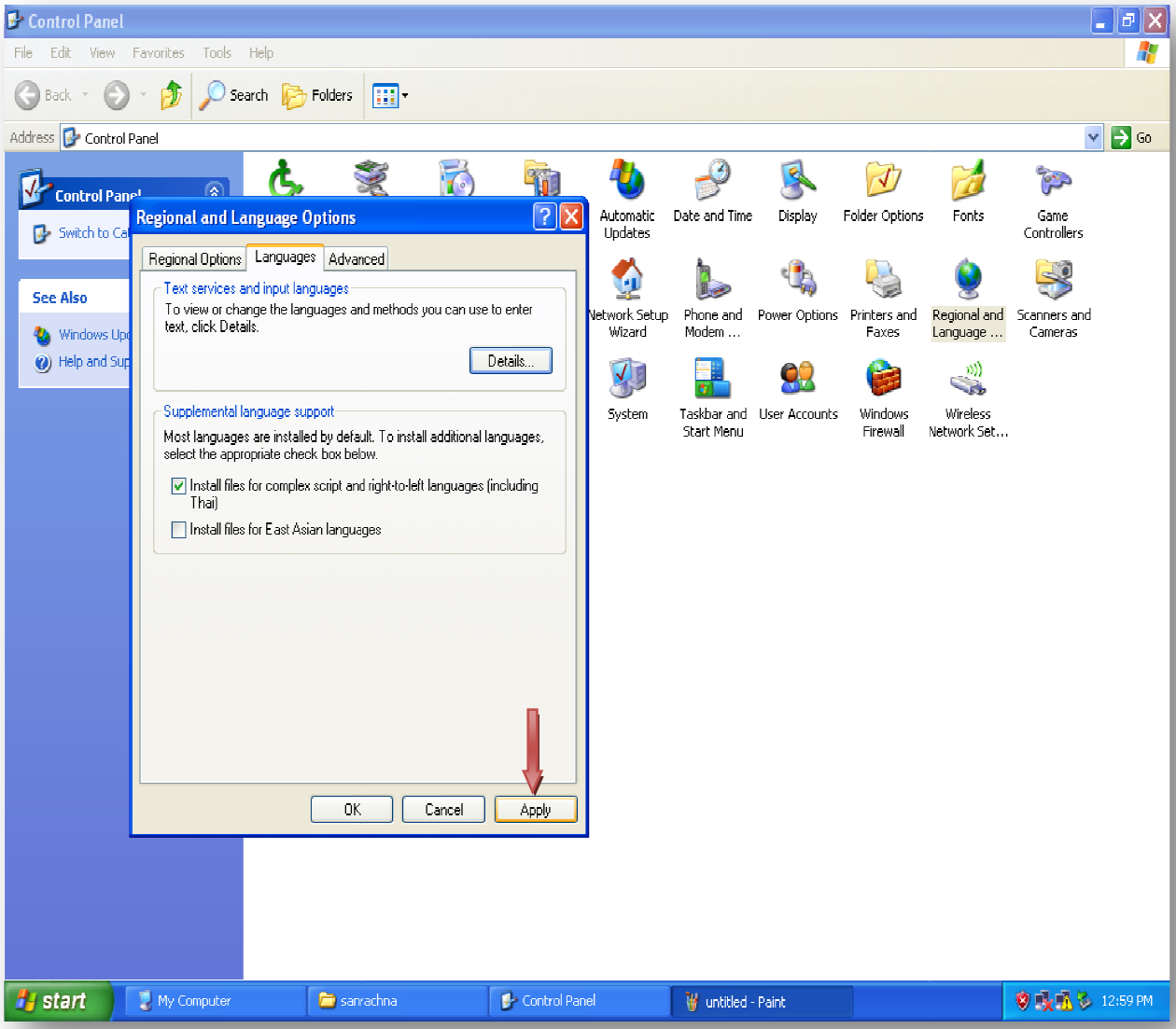

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल

Regional and Language Settings इंस्टॉल होना प्रारम्भ हो जायेगा ।

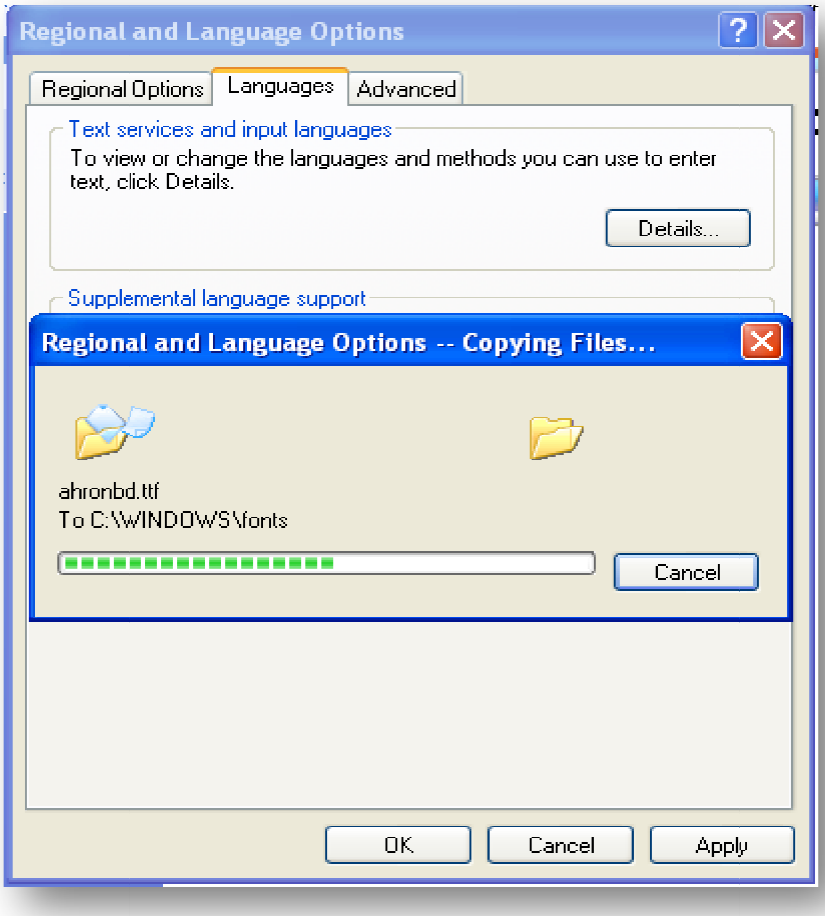

इंस्टॉल खत्म होते ही कम्प्यूटर को रिस्टार्ट करने का संदेश आता है इसमें Yes बटन पर क्लिक कर अपने कम्प्यूटर को रिर्स्टाट कर ले।

संरचना टाइपिंग टूल की स्थापना

ध्यान रखे कि संरचना–टूल की डाउनलोड होने वाली फाइल कम्प्रेस्ड फारमेट का फोल्डर है। वास्तविक इन्स्टालर फाइल्स इसी कम्प्रेस्ड फोल्डर के अन्दर स्थित है। सर्वप्रथम उस फोल्डर को खोल ले जिस पर आपने संरचना–टूल को डाउनलोड किया है।

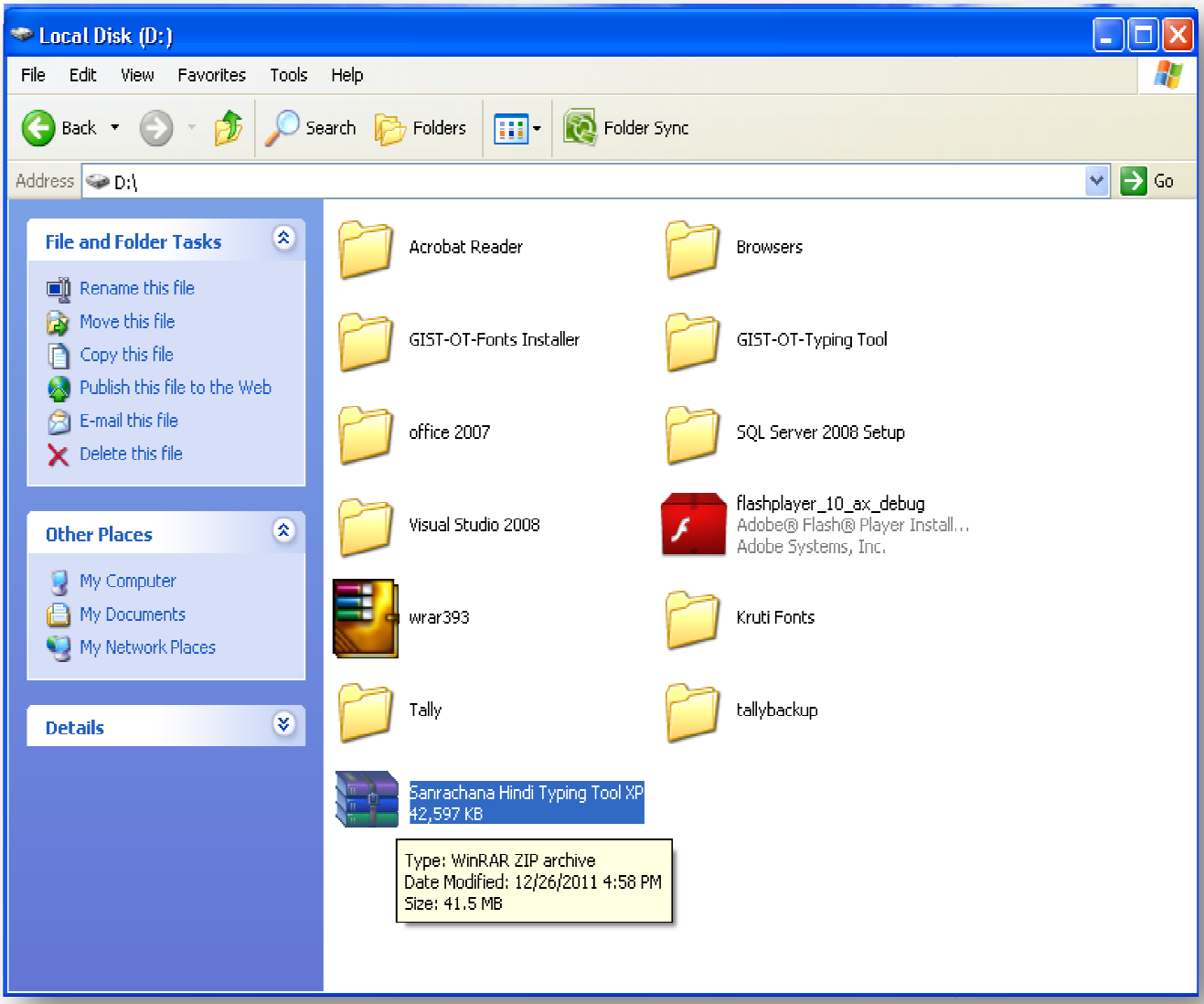

सुरक्षित किये गये संरचना जिप फोल्डर पर राइट–क्लिक कर के निर्देशनुसार एक्सट्रेक्ट करते हुए इसे मूल स्वरूप में ले आये।

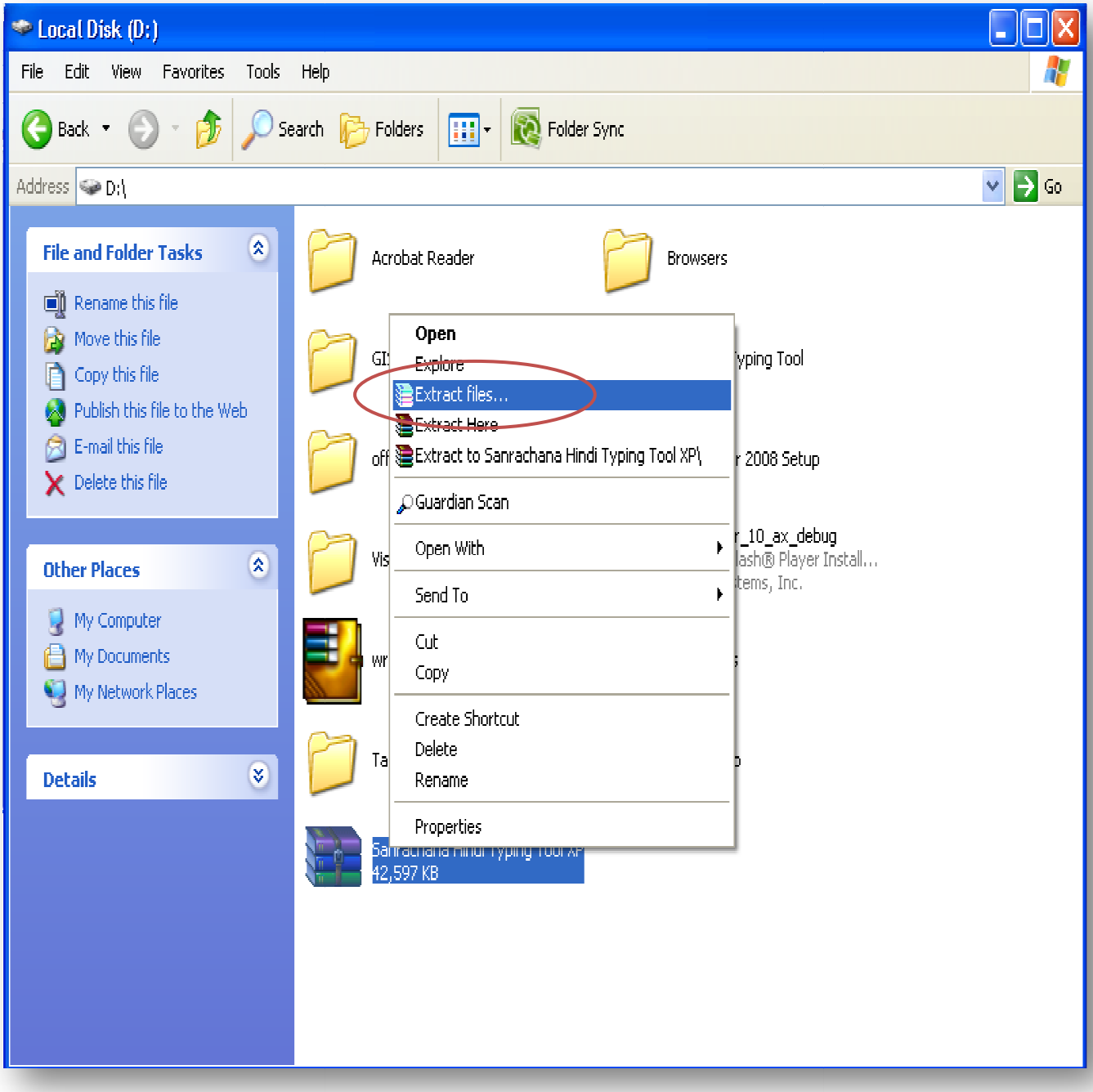

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल

कम्प्रेस्ड फोल्डर की सभी फाइले निम्नवत एक्स्ट्रेक्ट किये जाने हेतु उपलब्ध होगी, ओके बटन पर क्लिक करें।

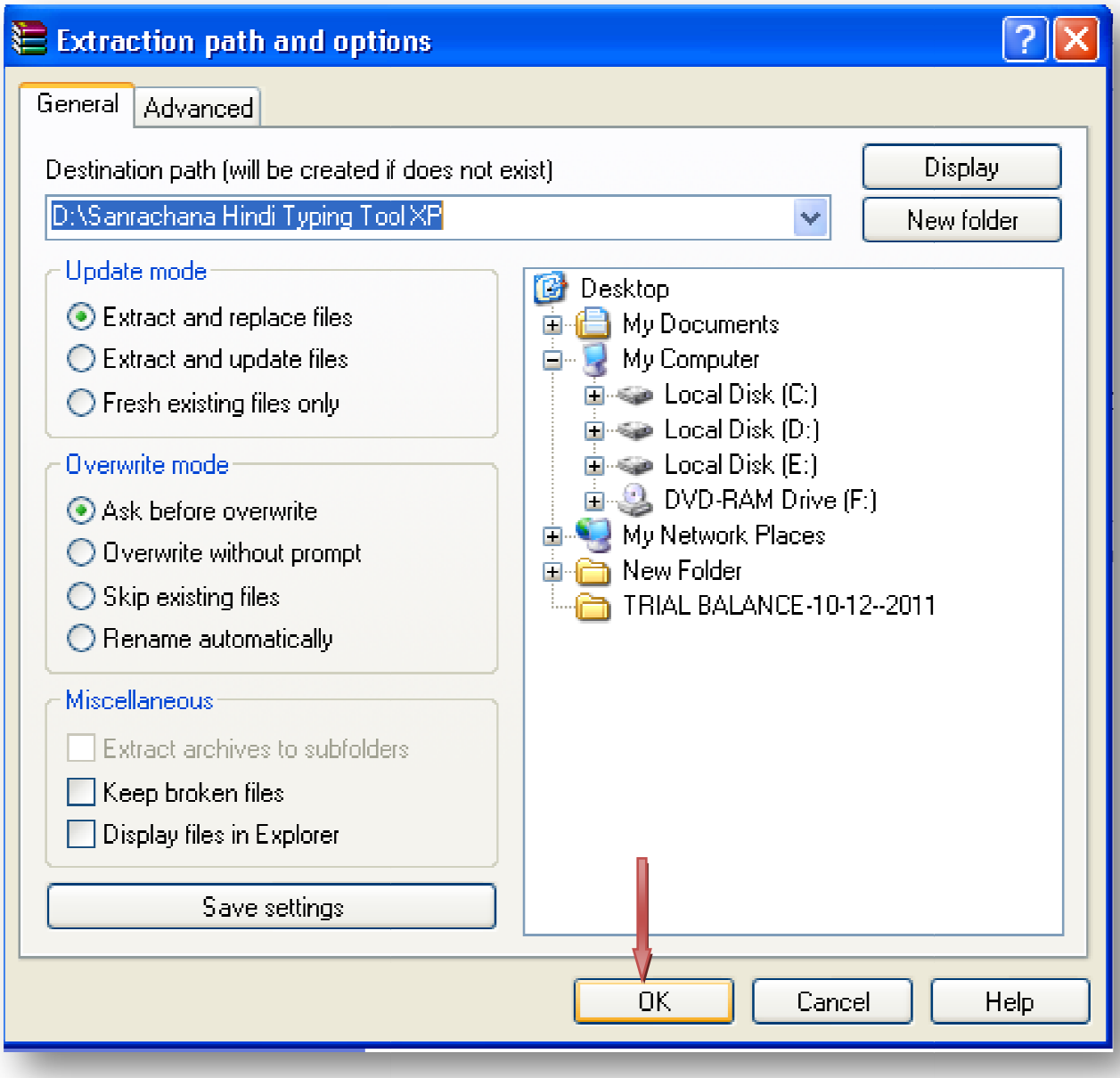

आपके सामने संरचना टाईपिंग टूल्स नामक फोल्डर मूल रूप में प्रदर्शित हो जायेगा तथा इस फोल्डर को डबल क्लिक कर इसके अन्दर की सामग्री प्रदर्शित हो सकेगी।

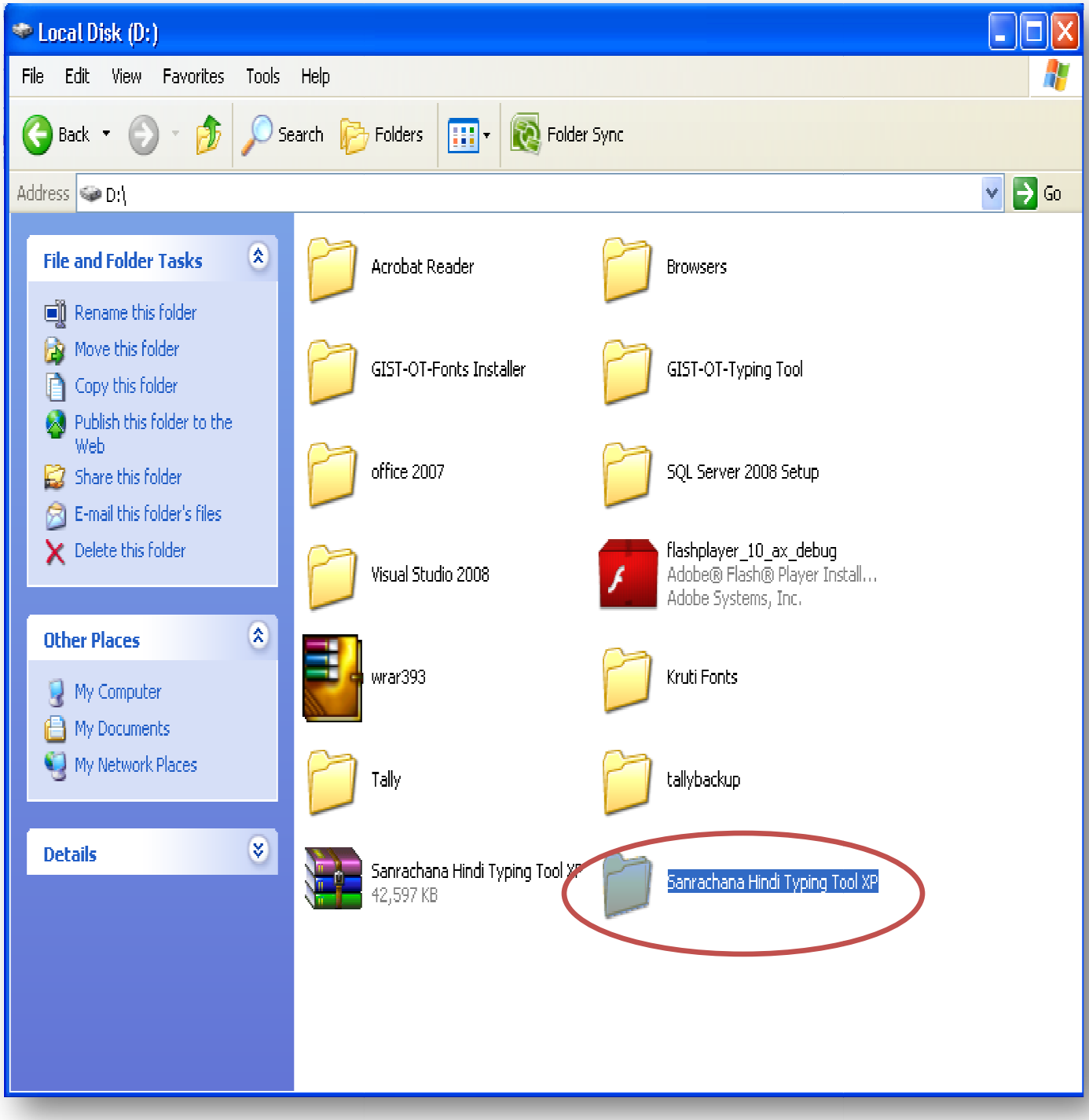

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल

फोल्डर के अन्दर उपलब्ध **सेटअप** फाइल पर डबल क्लिक करके संरचना हिन्दी टाईपिंग टूल को इंस्टाल कर सकते है।

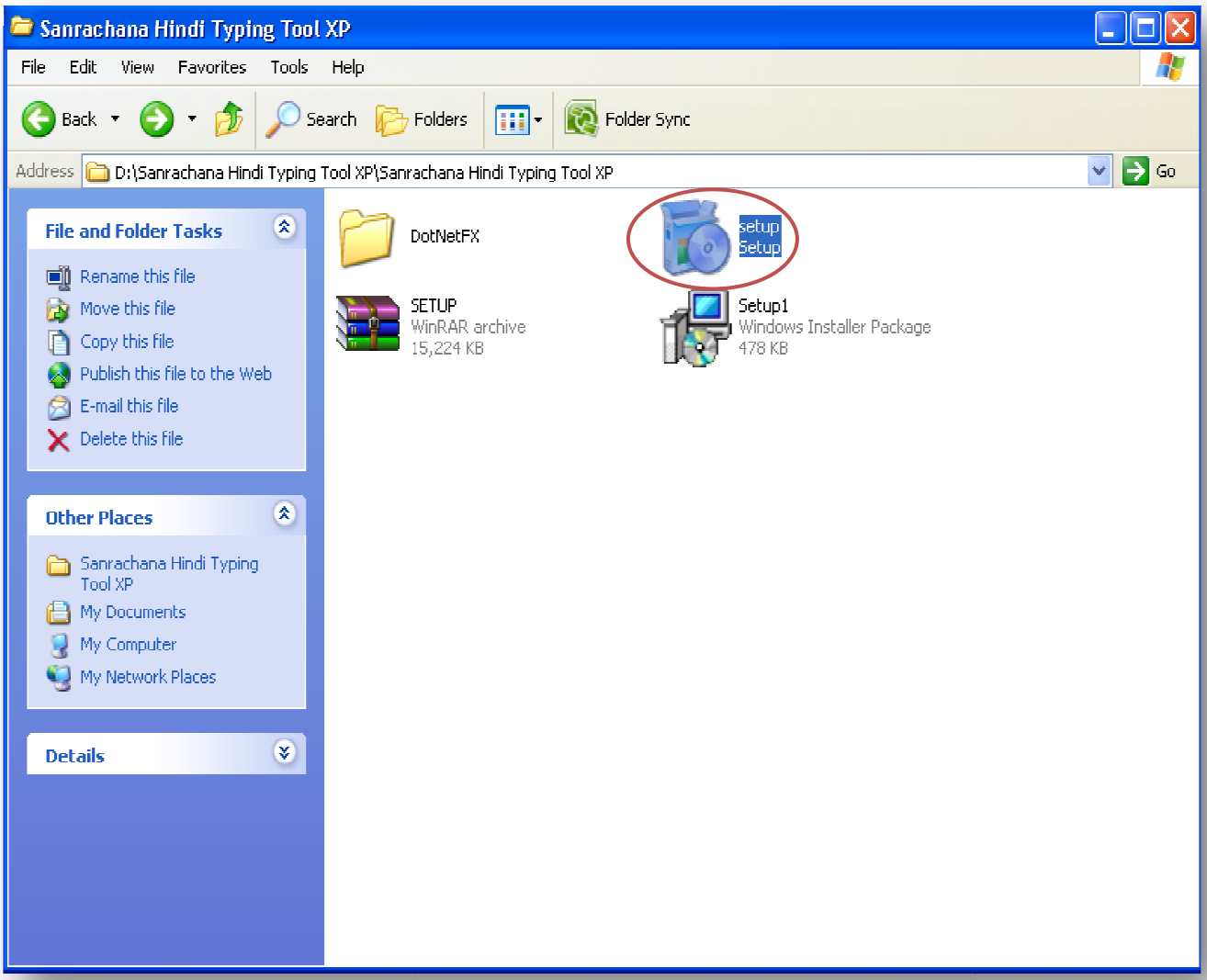

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल

1. स्क्रीन पर संरचना हिन्दी टंकण टूल को इंस्टॉल करने के लिए खुली विन्डो में [Next >] बटन पर क्लिक करें।

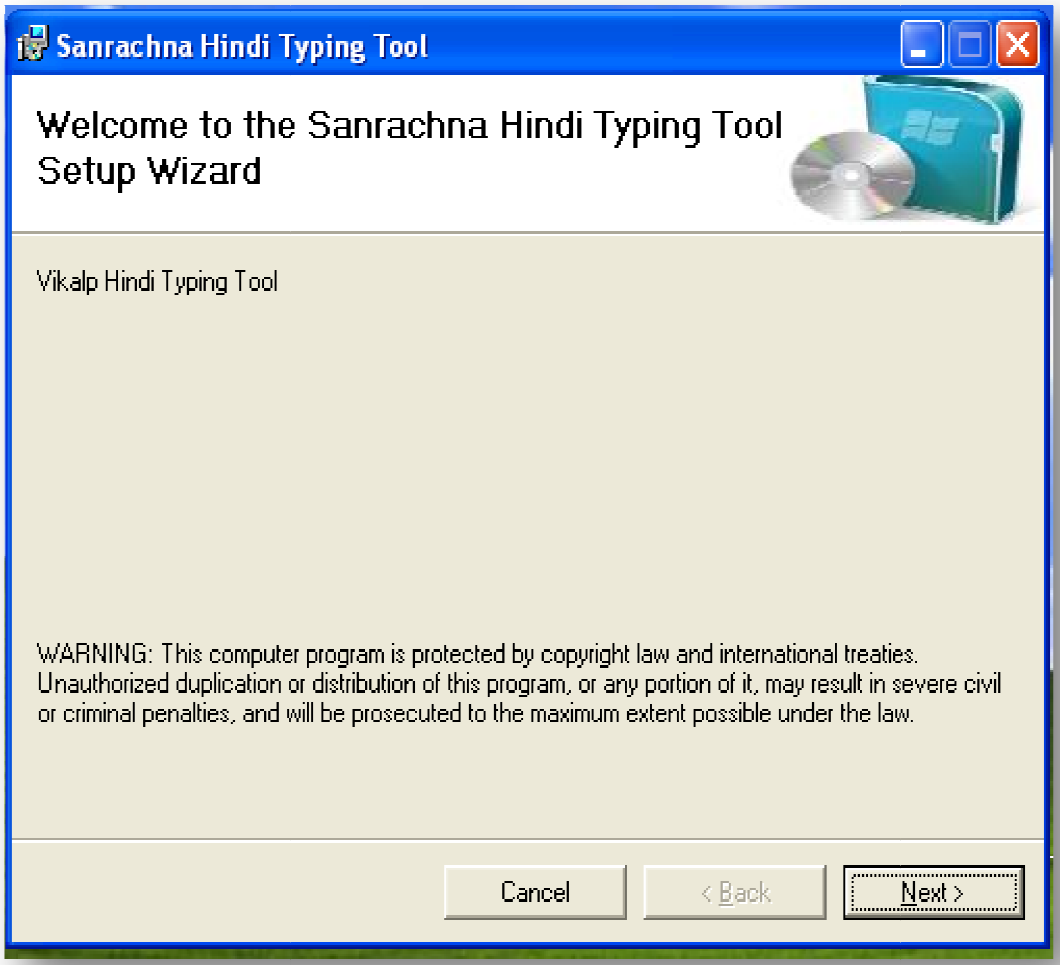

2. अब Select Installation Folder विन्डो में Everyone पर क्लिक कर Next > बटन पर क्लिक करें।

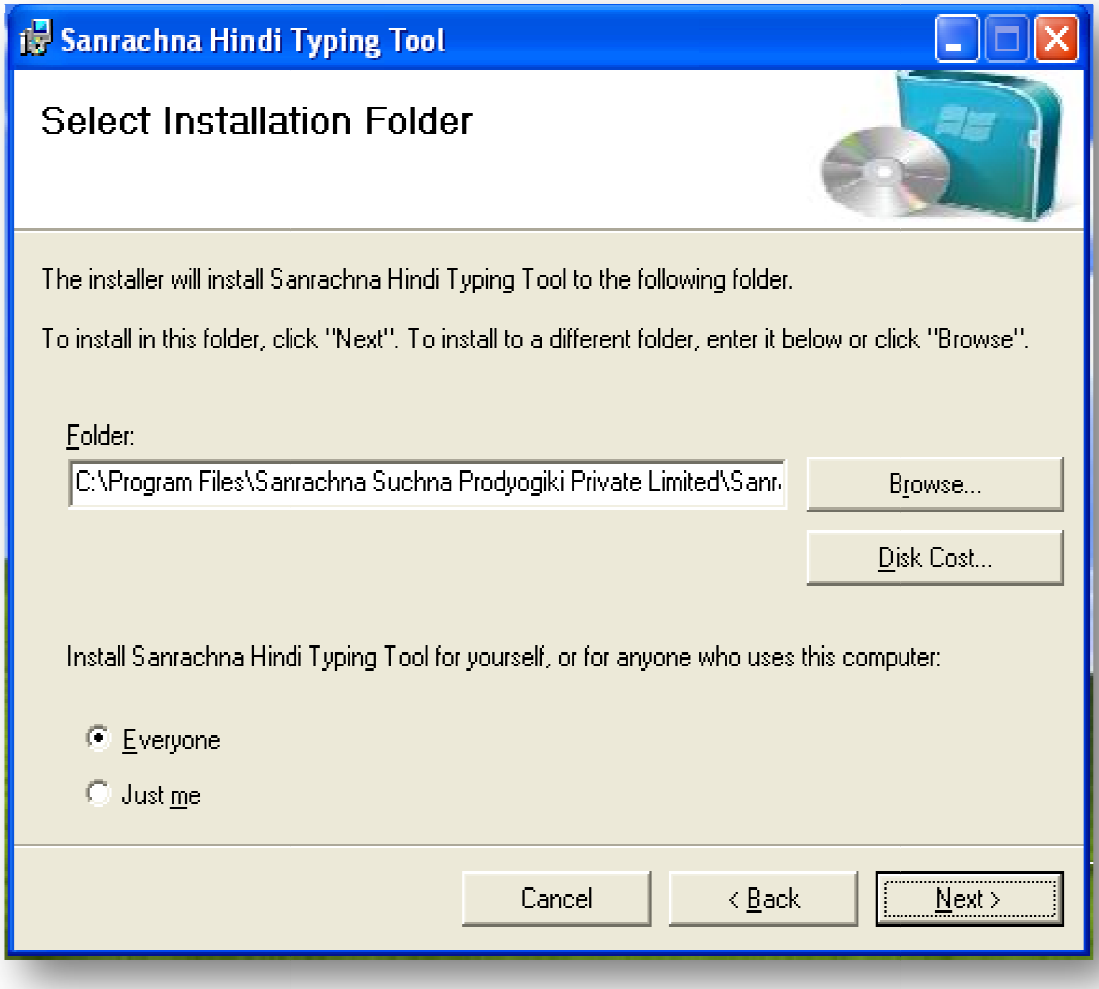

3. Confirm Installation विन्डों में फिर Next > बटन पर क्लिक करें।

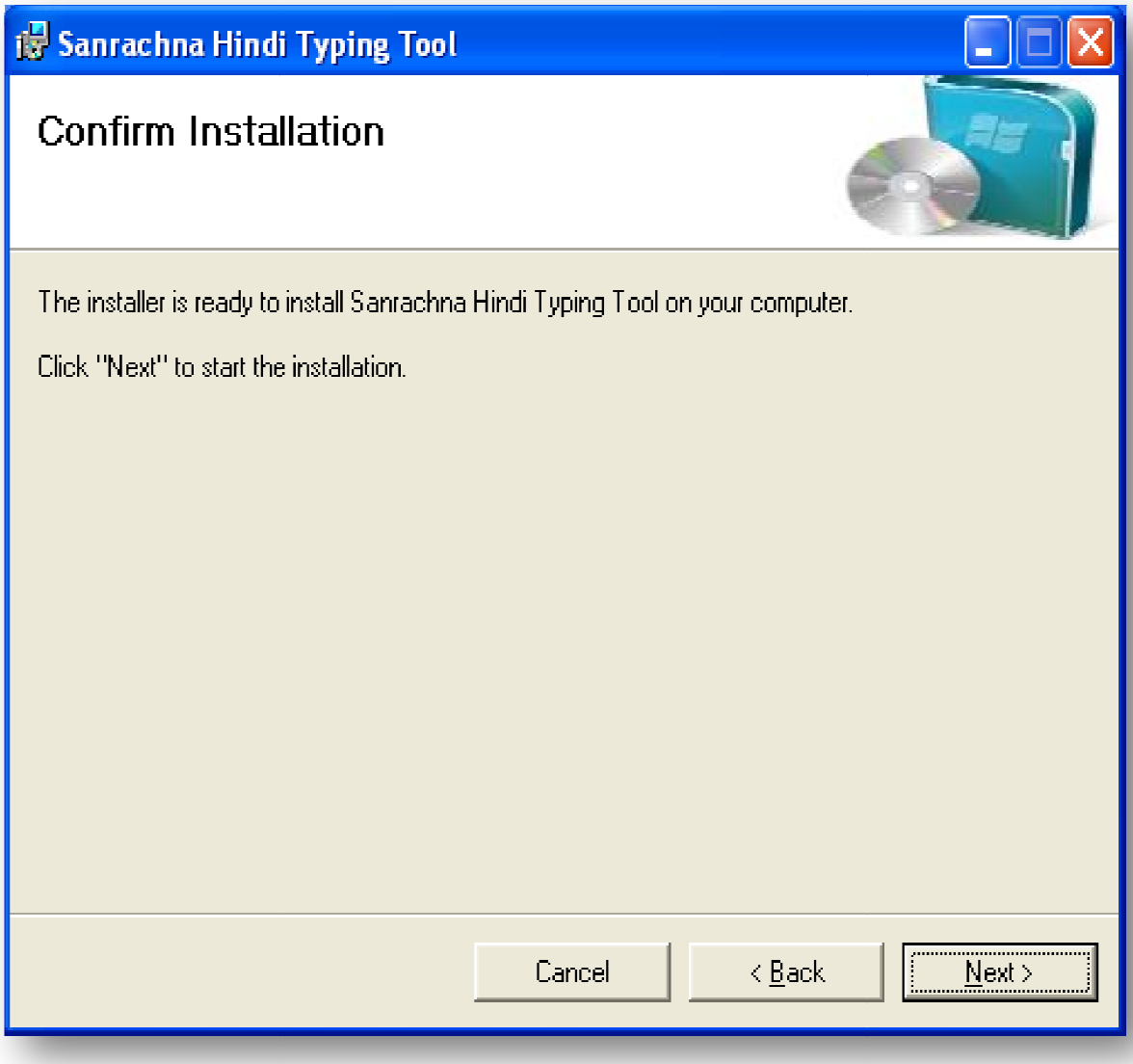

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल

4. अब इंस्टॉलर, संरचना हिन्दी टंकण टूल को कम्प्यूटर में इंस्टॉल करना प्रारम्भ कर देता है।

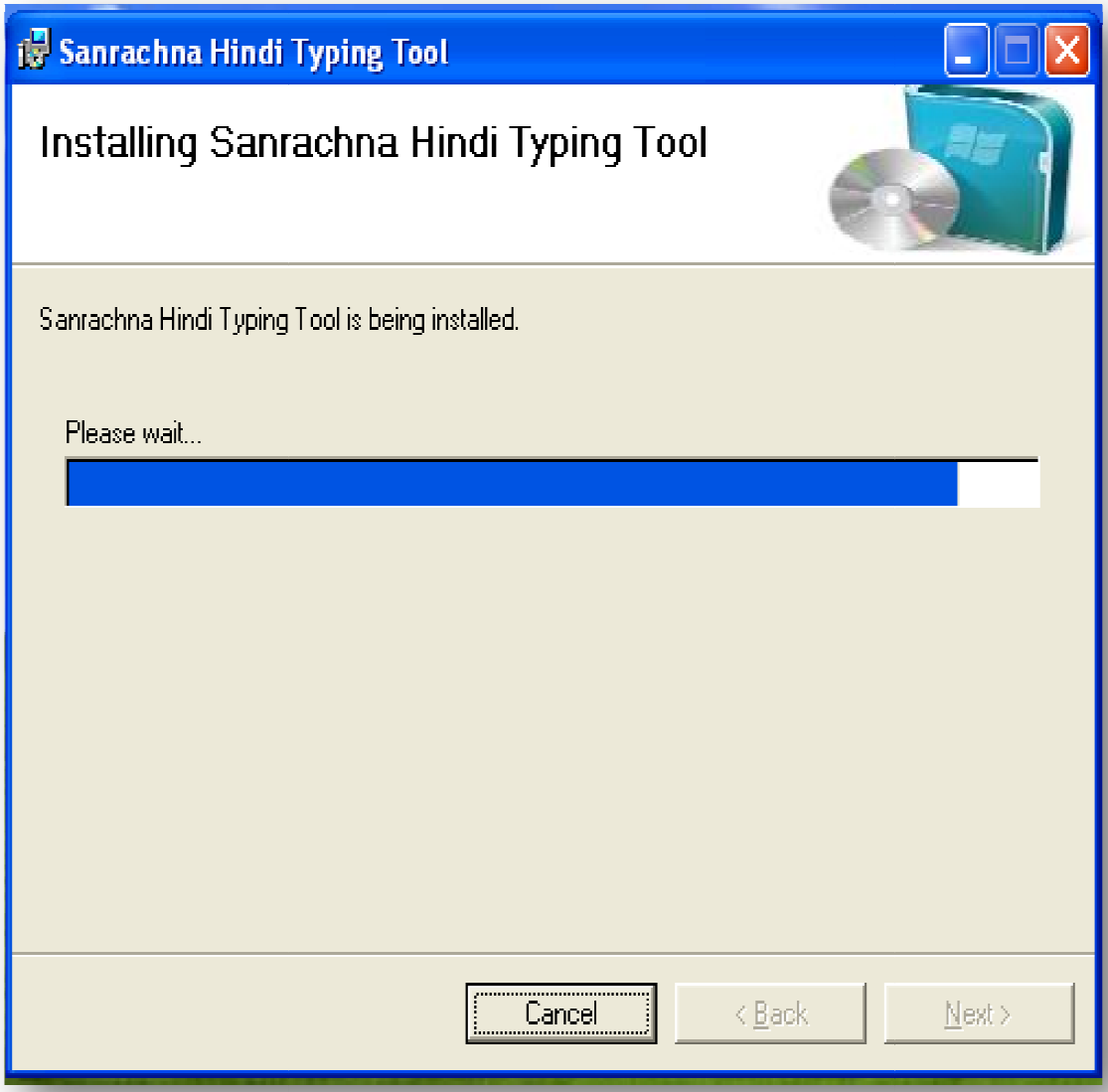

5. पूर्ण इंस्टॉल होने पर Installation Complete विन्डो में [Close] बटन पर क्लिक कर इंस्टॉलर को बंद कर दें।

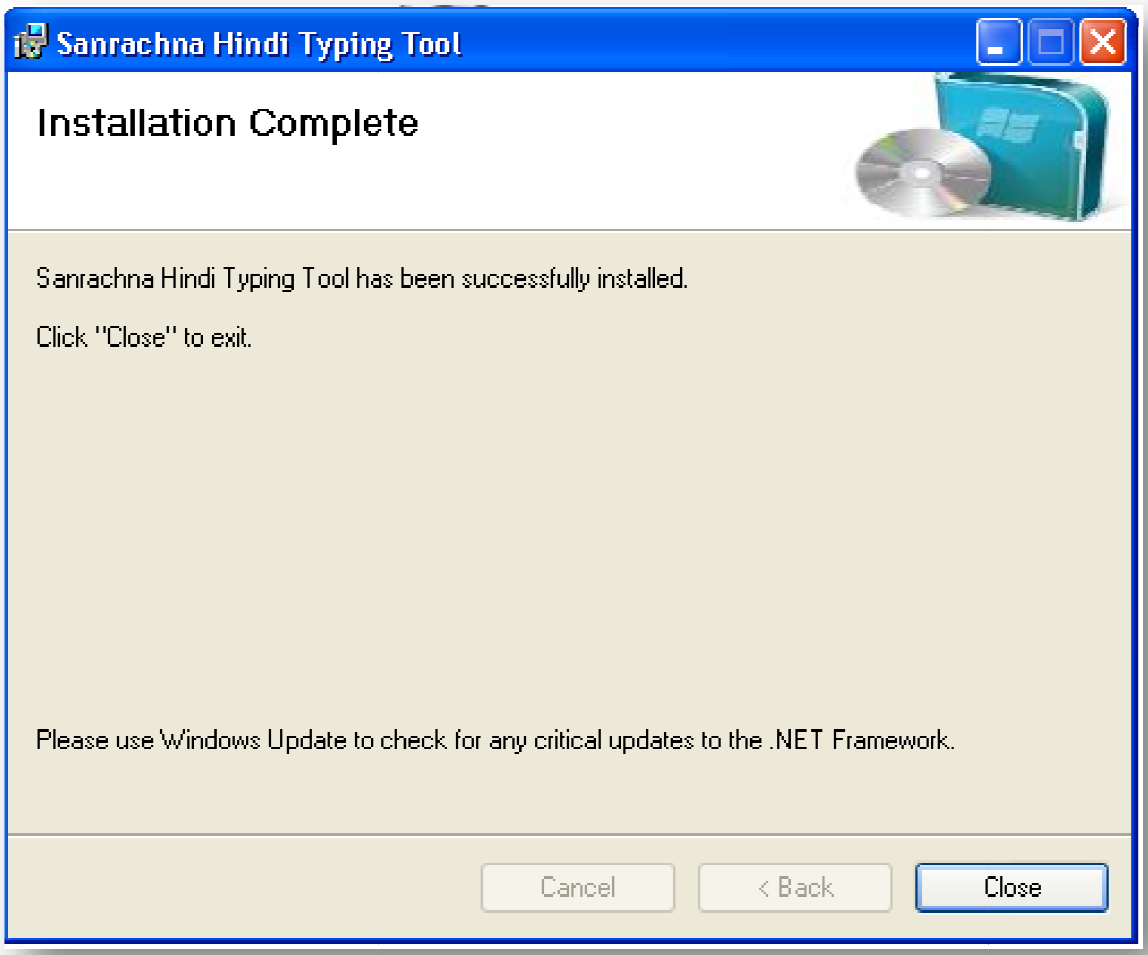

आपको अपने डेस्कटॉप पर संरचना–टूल का आईकन प्रदर्शित हो जायेगा।

विन्डोज-7 तथा विन्डोज-Vista में संरचना-टूल इंस्टॉल करने हेतु

चूँकि विण्डोज–7 एवं विण्डोज–विस्टा नये ऑपरेटिंग सिस्टम अतः इनमें रीजनल सेटिंग्स एवं डॉटनेट फ्रेमवर्क पूर्व से स्थापित एवं संचालित रहता है अतः आपको सिर्फ संरचना टूल ही स्थापित करना होगा। जिस प्रक्रिया के अनुसार आपने विण्डोज–एक्सपी पर संरचना टूल को एक्सट्रेक्ट कर स्थापित किया था ठीक उसी प्रकार से आप विण्डोज–7 अथवा विण्डोज–विस्टा के डाउनलोड लिये गये संस्करणों को कर सकते है।

कैसे करें उपयोग (How to Use)

1- डेस्कटॉप पर बने संरचना हिन्दी टंकण टूल के आइकन पर क्लिक करें।

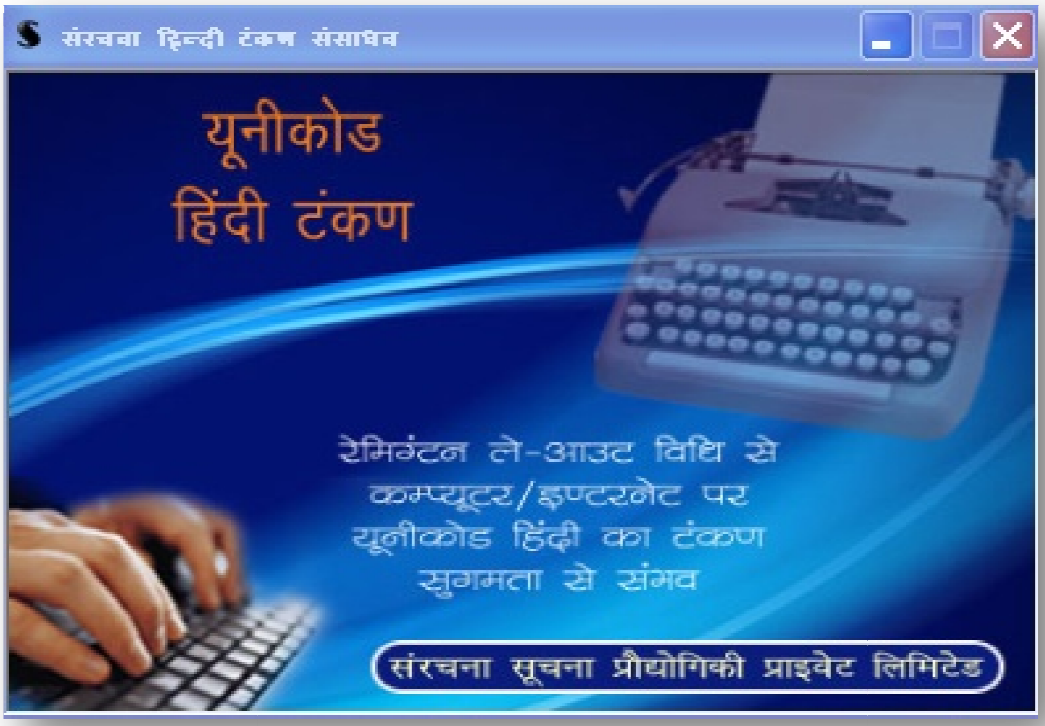

आपके समक्ष निम्न विन्डो प्रदर्षित होगी

2- इस विण्डो को minimize कर अपने की–बोर्ड पर Caps Lock बटन को दबाने आपके कम्प्यूटर का की–बोर्ड रेमिंग्टन हिंदी मोड में संचालित होगा और पुनः Caps Lock को दबाये जाने से यह पुनः इंग्लिश मोड में आ जायेगा अर्थात कैप्सलॉक के माध्यम से आप हिंदी एवं अंग्रेजी दोनो लिपियों में टंकण कर सकते है।

3- अब जिस भी स्थान/एप्लीकेशन पर आप हिन्दी टंकण करना चाहते हो, उसे ओपन करें और उपरोक्तानुसार टंकण प्रारम्भ करें।

कठिन शब्द / अक्षर कैसे बनेगें (How to make tough words/letters)

1- ऊ

ऊ को टाइप करने के लिये M Key को दबाकर उ बनायें उसके पश्चात शिफ्ट दबाकर Q Key को दबायें।

2- ट्र

ट्र को टाइप करने के लिये शिफ्ट दबाकर ट Key को दबाकर ट बनायें उसके पश्चात Z Key को दबायें।

3- आधा फ बनाने के लिये।

शिफ्ट दबाकर फ Key को दबाकर फ बनाकर पुनः शिफ्ट दबाकर Tilde Key(–) को दबाकर कोइ अक्षर टाइप करें ।

4- कृ

कृ को टाइप करने के लिये D Key को दबाकर क बनायें उसके पश्चात Tilde Key(-) को दबायें ।

5- ऋ

ऋ को टाइप करने के लिये शिफ्ट दबाकर Dash Key(–) को दबायें ।

6– भ

भ को टाइप करने के लिये शिफ्ट दबाकर H Key को दबाकर भ् बनाये उसके पश्चात K Key दबाकर भ बनायें ।